ओम् शान्ति

स्वमान

१. मैं आत्मा सर्व की सेवा करनेवाली जगदम्बा हूँ।

२. मैं आत्मा सर्व की मनोकामनायें पूर्ण करनेवाली कामधेनू हूँ।

३. मैं आत्मा सर्व आज्ञाओं का पालन करनेवाली आज्ञाकारी हूँ।

४. मैं आत्मा सर्व संबंधों में वफादार हूँ।

५. मैं आत्मा फरमानबरदार हूँ।

६. मैं आत्मा शिव साजन की सच्ची सजनी हूँ।

७. मैं आत्मा ज्ञान की गहराई में जानेवाली गंभीरमूर्त हूँ।

८. मैं आत्मा शान्तचित्त हूँ।

९. मैं आत्मा एकाग्रचित्त, एकांतवासी हूँ।

१०. मैं आत्मा मुरली से प्यार करनेवाली सच्ची गोपिका हूँ।

११. मैं आत्मा तीव्र पुरुषार्थ में न्यारी और प्यारी हूँ।

१२. मैं आत्मा ज्ञान-वीणा वादिनी माँ सरस्वती हूँ।

१३. मैं आत्मा रेगुलर, पंक्चुअल गॉडली स्टुडेन्ट हूँ।

१४. मैं आत्मा गुणमूर्त हूँ।

१५. मैं आत्मा कर्मयोग से कर्मभोग पर विजय प्राप्त करनेवाली विजयी हूँ।

****